Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 13-12-2006

Participants : Singh Shri Rakesh

an>

Title: Need to review the policy for procurement of paddy on MSP, with a view to give benefit to the farmers.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) :महोदय, देश के किसानों की भलाई के लिए सरकार बहुत सी योजनाएं बनाती हैं लेकिन प्रत्यक्ष रूप से किसानों को फायदा पहुंचे इसके लिए आवश्यक है कुछ महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन। इस समय समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी चल रही है। महोदय, धान की खरीदी एफ.ए.क्यू. (फेयर एवरेज क्वालिटी) के आधार पर की जाती है और इस स्तर की गुणवत्ता जांचने के लिए एक ग्रेडर होता है। लेकिन ऐसा ज्ञात हुआ है कि ग्रेडर अपनी ग्रेडिंग ठीक से नहीं देते हैं और मजबूरी में किसान कम कीमत पर धान व्यापारियों को बेच देते हैं तथा व्यापारी उसी धान को ग्रेडर और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकार को समर्थन मूल्य पर बेच देते हैं। महोदय, इससे पहले से ही पीड़ित किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है और अधिकारी और व्यापारी धन कमा रहे हैं। इसे रोकने हेतु स्वचलित ग्रेडर तकनीक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए जिससे छनाई, बिनाई व ग्रेडिंग के पश्चात प्राप्त धान एफ.ए.क्यू स्तर की होती है। ऐसा होने पर एफ.ए.क्यू. की आड़ में होने वाला भ्रटाचार समाप्त होगा। वर्तमान व्य वस्था में शासन द्वारा खरीदी हेतु निर्धारित एजेंसी का एकाधिकार होने से किसानों को बारदाने की अनुपलब्धता, ट्रांसपोर्टेशन की कठिनाई अथवा भुगतान में अत्यधिक विलंब कर परेशान किया जाता है। अतः खरीदी में एक से अधिक एजेंसियां निर्धारित हों ताकि प्रतिस्पर्धा का लाभ किसान को मिल सके। किसानों को राहत पहुंचाने सरकार तत्काल धान खरीदी हेतु एक संशोधित नीति बनाये ताकि देश में किसानों का शोाण रोका जा सके।